Roll No. .....

एम.ए.एस.ए.-11 (एम.ए. संस्कृत)

प्रथम वर्ष, सत्र- 2015

एम.ए.एस.ए.–02

ललित साहित्य एवं नाटक

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 60**

नोट : यह प्रश्न-पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं । (2×15=30)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए–

(क) कश्चित्कान्ता विरह गुरुणा स्वाधिकारात्प्रमत्तः
शापेनास्तङ्गमितमहिमा वर्षभोग्येण भर्तुः।
यक्षष्चक्रे जनकतनया स्नानपुण्योदकेषु
स्निग्धच्छायातरुषु वसति रामगिर्याश्रमेषु।।

(ख) धूमज्योतिः सलिलमरुतां सन्निपातः क्व मेघः
सन्देशार्थाः क्व पटुकरणैः प्राणिभिः प्रापणीयाः।
इत्यौत्सुक्याद परिगणयन्गुह्यदकस्तं ययाचे
कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतना चेतनेषु।।

(ग) शून्यमपुत्रस्य गृहं चिरशून्यं नास्ति यस्य सन्मित्रम्।
मूर्खस्य दिशः शून्यः सर्व शून्यं दरिद्रस्य।।

(घ) दारिद्रयान्मरणाद्वा मरणं मम रोचते न दारिद्रयम्।
अल्पक्लेशं मरणं दारिद्रयमनन्तकं दुःखम्।।

2. कालिदास की काव्यकला का वर्णन कीजिए।

3. चारुदत्त का चरित्र चित्रण कीजिए।

4. मुद्राराक्षस नाटक की विशेषताएं बताइए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

(4×5=20)

1. पूर्वमेघ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

2. विशाखदत्त का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3. 'कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु' सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

4. वसन्तसेना का चरित्र चित्रण कीजिए।

5. कालिदास की रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

6. 'अत्यादरः शङ्कनीयः' सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

7. 'भाग्यक्रमेण हि धनानि भवन्ति यान्ति च' की व्याख्या कीजिए।

8. मृच्छकटिकम् के प्रथम अंक का सारांश लिखिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10×1=10)

1. मेघदूत क्या है?

   (अ) खण्ड काव्य (ब) गीतिकाव्य

   (स) दूत काव्य (द) उपरोक्त सभी

2. मेघदूत किसकी रचना है?

   (अ) भवभूति (ब) कालिदास

   (स) भास (द) विशाखदत्त

3. मुद्राराक्षस किसकी रचना है?

   (अ) कालिदास (ब) विशाखदत्त

   (स) भवभूति (द) भास

4. रूपकों की संख्या है–

   (अ) पाँच (ब) नौ

   (स) दश (द) आठ

5. मृच्छकटिकम् का नायक है–

   (अ) चारुदत्त (ब) शकार

   (स) चाणक्य (द) इनमें से कोई नहीं

6. नाटक में कितनी सन्धियाँ होती हैं?

(अ) चार (ब) पाँच

(स) तीन (द) सात

7. मृच्छकटिकम् क्या है?

(अ) नाटक (ब) प्रकरण

(स) समवकार (द) डिम

8. मुद्राराक्षस मे कितने अंक हैं?

(अ) पाँच (ब) छः

(स) सात (द) आठ

9. मेघदूत का आरम्भिक शब्द क्या है?

(अ) कश्चित् (ब) श्री

(स) लक्ष्मीः (द) वागर्थाविव

10. मेघदूत कितने भागों मे विभक्त है–

(अ) पाँच (ब) चार

(स) दो (द) तीन